जय हो माई की चिन्ता काहे की

जय हो, माई की, चिन्ता काहे की ॥
हर, सकंट, टल जाऐगा॥
जब, मईया आऐगी,
जय हो, माई की, चिन्ता काहे की ॥

ओ प्रेम से बोलो, जय माता दी ।
ओ सारे ही बोलो, जय माता दी ।
जरा, मिलकर बोलो, जय माता दी ।
सब मिठ्ठा बोलो, जय माता दी ।
जरा, हठ भी खोलो, जय माता दी ।
जय हो, माई की, चिन्ता...

जब जब, भीड़ पड़ी भक्तों पर,
तब तब दिया सहारा ॥
डूब रही, जीवन की नईया,
माँ ने पार उतारा ॥
अदि भवानी, माँ वर दानी ॥
जब, कला दिखाएगी,
जय हो, माई की, चिन्ता...

कैसी चिन्ता, कैसा डर जब,
शेरोंवाली साथ है ॥
सीना तान, चलो रे भक्तों,
सिर पर माँ का हाथ है ॥
जोतांवाली, सबके अँधेरे ॥
दूर भगाएगी,
जय हो, माई की, चिन्ता...

दर्शन कर लो, तुम रे भक्तों,
शेरोंवाली आई है ॥
कितनी सुन्दर, देखो भक्तों,
शेर सवारी आई है ॥
अब तो विनती, करो हे मईया ॥
माँ, कभी ना जाएगी,
जय हो, माई की, चिन्ता...

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34338/title/jai-ho-maayi-ki-chinta-kaahe-ki

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |